कृपया प्रकाशनार्थ **27 अप्रैल 2012**

पूर्व रेल राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) श्री.राम नाईक द्वारा
27 अप्रैल 2012 को पत्रकार परिषद में प्रसारित वक्तव्य

चर्चगेट-डहाणू रेलसेवा शीघ्रही प्रारंभ - रेल मंत्री का आश्वासन

मुंबई, शुक्रवार :पश्चिम रेलवे पर चर्चगेट से डहाणू रोड तक सीधी लोकल सेवा शुरु करने के लिए सकारात्मक निर्णय लेने का तथा प्रथम श्रेणी के उपनगरीय रेल यात्रा की किराया वृद्धी भी वापस लेने पर विचार करने का आश्वासन रेल मंत्री श्री. मुकुल रॉय ने कल पूर्व रेल राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) श्री.राम नाईक के नेतृत्व में मिलें प्रतिनिधी मंडल को दिया. इस प्रतिनिधी मंडल में सांसद श्री.पियुष गोयल, विधायक व डहाणू के पूर्व सांसद श्री. चिंतामण वनगा, डहाणू की पूर्व नगराध्यक्ष व बोरीवली की विद्यमान नगरसेविका श्रीमती मनिषा चौधरी, वसई-विरार महानगरपालिका के नगरसेवक श्री. राजन नाईक, भाजपा महाराष्ट्र आय टी सेल के श्री. विनित गोयंका, महाराष्ट्र राज्य मच्छिमार सहकारी संघ के अध्यक्ष श्री. राजेंद्र मेहेर व वसई के श्री. रामदास मेहेर आदी नेता सम्मिलित थे. रेलवे बोर्ड के परिवहन सदस्य श्री. के.के.श्रीवास्तव व विद्युत सदस्य श्री. कुलभूषण भी रेल मंत्री के साथ चर्चा के समय उपस्थित थे.

इस चर्चा की अधिक जानकारी देते हुए श्री. राम नाईक ने कहा,‘‘विरार - डहाणू रेल मार्ग रु. 57 करोड खर्चा कर चौडा बनाया गया है, तो चर्चगेट-डहाणू मार्ग डीसी से एसी बनाया गया है. इसके चलते चर्चगेट से डहाणू रोड तक सीधी रेल गाडी चलाना संभव है यह रेलमंत्री ने मान लिया. यह सेवा शुरु करने के लिए जल्द से जल्द सकारात्मक दृष्टी से निर्णय लिया जाएगा ऐसा आश्वासन भी रेल मंत्री ने दिया है. रेल मंत्री ने द्वितीय श्रेणी तथा एसी थ्री टायर व एसी चेअर कार की किराया वृद्धी तो वापस ली. किंतु इन सेवाओं के समकक्ष प्रथम वर्ग के उपनगरी यात्रियों पर थौपी गयी किराया वृद्धी अब भी बरकरार है. प्रथम श्रेणी के उपनगरीय यात्रा पर प्रति किलोमीटर 10 पैसे की वृद्धी की दोहरी नीति से यात्रियों में असंतोष है. यह वृद्धी वापस लेने की माँग वैसे तो जायज है ऐसा कह कर वह रद्द करने पर विचार करने का आश्वासन भी रेल मंत्री ने दिया है.’’

डीसी से एसी परिवर्तन के कारण अब उपनगरीय गाडीयों की रफ्तार 80 किलोमीटर प्रति घंटे से 100 किलोमीटर प्रति घंटा हुओ है, याने रफ्तार में 25 प्रतिशत वृद्धी है, इसके कारण तथा अद्यावत सिग्नल प्रणाली के कारण उपनगरीय गाडीयों की संख्या में बढौतरी संभव है इस बात पर श्री. नाईक ने रेल मंत्री का ध्यान आकर्षित किया. प्रति घंटा 80 किलोमीटर रफ्तार के आधार पर बनाये टाईम टेबल के बदले प्रति घंटे 100 किलोमीटर रफ्तार के आधार पर नया टाईम टेबल बनाया जाए तथा वह बनाते समय रेल यात्री संगठनों को भी विश्वास में लिया जाए ऐसी माँग भी श्री. राम नाईक ने की. यह माँग भी जायज है, इस पर कार्यवाही करें ऐसी सूचना रेल मंत्री ने रेल बोर्ड के परिवहन सदस्य को दी.

इन तीन माँगों के साथ-साथ प्रति दिन मुंबई के 72 लाख यात्रियों को प्रभावित करनेवाली मुंबई उपनगरीय रेल सेवा की सद्यस्थिती पर श्वेतपत्रिका निकालने की माँग भी प्रतिनिधी मंडल ने रेल मंत्री से की. इस श्वेतपत्रिका में फिलहाल शुरु सभी योजनाओं की सद्यस्थिती के साथ ही साथ भविष्य की योजनाओं की भी जानकारी दी जाए ऐसी माँग की. इस माँग पर रेल मंत्री ने मुंबई के साथ-साथ कोलकाता तथा चेन्नई को भी श्वेतपत्रिका के दायरे में शामिल कर उसे निकाले ने की हामी दी, ऐसी जानकारी श्री. नाईक ने दी.

मुंबई की उपनगरीय रेल व्यवस्था पर भीड का भारी बोझ है. उसे ध्यान में लेकर सभी गाडीयों को 9 डिब्बे से 12 डिब्बों की करने को प्राथमिकता दी जाए इतनाही नहीं तो उन्हे 15 डिब्बों की बनाने के प्रस्ताव पर जल्द से जल्द क्रियान्वयन हो, उसके लिए ज्यादा डिब्बों की खरीदारी के लिए अधिक धनराशी उपलब्ध कराने की माँग भी प्रतिनिधी मंडल ने की. भीड भरे रेल स्थानकों पर एक प्लैटफार्म से दुसरे पर जाने के लिए इस वर्ष में 50 एक्सलेटर्स बनाने का वादा रेल मंत्री ने रेल बजट के अभिभाषण में किया है. मध्य रेल पर रु. 20.79 करोड से 33 एक्सलेटर्स तो पश्चिम रेल पर रु.11.34 करोड से 18 एक्सलेटर्स की योजना भी बनायी गयी है. किंतु रेल बजट की 'पिंक बुक' में दोनो रेलवे को इस काम के लिए इस वर्ष में मात्र रु.10 लाख का प्रावधान किया है, ऐसा जब श्री. राम नाईक ने कहा, तब किसी भी हालत में दोनो रेलवे पर कुल 50 एक्सलेटर्स बनायेंगे, ऐसा खुलासा रेल बोर्ड के परिवहन सदस्य ने किया.

रेल मंत्री ने मुंबई आकर सभी यात्री संगठनों से सीधा संवाद करने के प्रतिनिधी मंडल के अनुरोध को भी रेल मंत्री ने स्वीकार किया है, ऐसी जानकारी अंत में श्री. राम नाईक ने दी.

(कार्यालय मंत्री)